स्नातक / स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपादेयता

स्नातक 1 –हिन्दी. भाषा –

बी0 ए0 प्रथम वर्ष हिन्दी भाषा के प्रथम प्रश्न पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थी भाषा की लघुतम इकाई यानि वर्णों के उच्चारण एवं वर्गीकरण के साथ हिन्दी वर्तनी के मानक रूप को समझने में सक्षम होगे साथ ही हिन्दी भाषा के व्याकरणिक रूप समास, संधि उपसर्ग आदि के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करके हिन्दी शब्द रचना के संसार से परिचित हो सकेंगे।

बी0 ए0 प्रथम वर्ष हिन्दी भाषा के द्वितीय प्रश्न पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी भाषा के उद्भव, विकास, उसकी विविध शैलियों के साथ उपभाषाओं और बोलियों के सम्बन्ध में ज्ञानार्जन कर पायेंगे।

हिन्दी साहित्य – बी0 ए0 प्रथम वर्ष हिन्दी साहित्य के प्रथम प्रश्न पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक रूप – आदिकाल भक्ति काल एवं रीतिकाल की प्रवृतियों के विभेद के आकलन के साथ उस युग के कवियों एवं उनके साहित्य के अनुशीलन से आज के कवि कर्म और उसके उत्प्ररेक तत्वो के मध्य भेद कर पाने में सक्षम होंगे।

बी0 ए0 प्रथम वर्ष हिन्दी साहित्य के द्वितीय प्रश्न पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थी कथा– साहित्य के अध्ययन से मनोरंजन एवं सर्जनात्मक प्रवृत्ति के विकास के साथ उपन्यास को पढने के लिए अभ्यास , एकाग्रता, ध्यान , चिन्तन, मौलिकता के विकास द्वारा बौद्धिक रूप से उन्नयन करने को सक्षम होगे।

प्रथम प्रश्न पत्र (आधुनिक काव्य) बी0 ए0 द्वितीय

प्रस्तुत प्रश्न पत्र के पाठक्रम से विद्यार्थी द्विवेदी युग के प्रमुख रचनाकारों के काव्य रस का आनन्द लेते हुए काव्य में आधुनिक प्रवृन्तियों को खोजते हुए छायावाद और छायवादोतर युगीन काव्य के प्रेम सौन्दर्य, रहस्य, विविध साहित्यिक प्रयोगों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

द्वितीय प्रश्न पत्र – बी0ए0 द्वितीय वर्ष के द्वितीय प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम से विद्यार्थी नाटक एवं निबंन्ध विधा के उदभव विकास, प्रकार शैलीगत वैविध्य से स्वय को जोड़ पाने में सक्षम होगे साथ ही मनोरंजन / आनन्द एवं सर्जनात्मकता को आत्मसात करने में सक्षम होगे।

बी०ए० पञ्चम-सत्र

प्रथम–प्रश्न पत्र– (प्रयोजन मूलक हिन्दी)

छात्र हिन्दी की व्यवहारिक उपयोगिता समझ सकेंगे। पत्रों से अभिप्राय, पत्रों के प्रकारों को समझ सकेंगे। व्यावहारिक –जीवन मे प्रयोजन मूलक हिन्दी के महत्व को समझ सकेंगे। साहित्य को समझने के लिए मीडिया का उपयोग करना समझ सकेंगे। साहित्य के प्रचार व प्रसार में प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का उपयोग करना सीख सकेंगे। संचार भाषा के स्वरूप तथा वर्तमान संचार व्यवस्था से अवगत हो सकेंगे।

द्वितीय प्रश्न पत्र (लोक साहित्य)–

छात्र संस्कृति सभ्यता, लोक–साहित्य से अवगत होंगे कुमाऊँ लोक साहित्य से परिचित होंगे। कुमाऊँनी लोकगीत, कुमाऊँनी लोकगाथा, कुमाऊँनी लोक–कथा, लोक–नाटक, लोक–नृत्य से परिचित हो सकेंगे। लोक–संस्कृति, लोक–परम्परा, लोक–पर्व, लोक–मेले, त्यौहार, व्रत, उत्सव, खान–पान, रीति–रिवाज, रहन–सहन, रूढ़िवादिताएँ इत्यादि से परिचित हो सकेंगे।

बी०ए० षष्ठ-सत्र

प्रथम प्रश्न पत्र (हिन्दी–पत्रकारिता)–

छात्र–जीवन में पत्रकारिता का महत्व समझ सकेंगे तथा जीवन में पत्रकारिता का प्रयोग करना सीख सकेंगे। समाचार के संकलन एवम् लेखन के प्रमुख आयामों को समझ सकेंगे। संपादन – कला के महत्त्व पूर्ण तथ्यों से परिचित हो सकेंगे तथा प्रजा–तांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रारिता का दायित्व समझ सकेंगे।

द्वितीय प्रश्न पत्र (उत्तराखण्ड का हिन्दी – साहित्य)

उत्तराखण्ड के शिवर साहित्य का उद्भव एवम् विकास का अध्ययन कर सकेंगे। उत्तराखण्ड के कथाकार एवम् उत्तराखड के कहानीकारो से परिचित हो सकेंगे। छात्र उत्तराखण्ड के हिन्दी – साहित्य, कविताकारो से परिचित हो सकेंगे।

एम0 ए0 प्रथम सत्र आदिकालीन एवम निर्गुण भक्तिकाव्य –

प्रथम-प्रश्नपत्र

एम0 ए0 प्रथम सत्र के विद्यार्थी आदि कालीन कवि अब्दुल रहमान, चन्दवरदायी एवं जयदेव कृत रचनाओं के अध्ययन के साथ पाठयक्रम में प्रयुक्त उनकी कृतियों से अपभ्रंश के विविध रूपों के साथ मैथिली भाषा का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।

साथ ही कबीरदास एवं जायसीकृत रचना का अध्ययन उन्हें संतकाव्य परम्परा के व्यवहारिक एवं सैद्धान्तिक दोनो पक्षों का ज्ञान प्रदान करने के साथ सामजिक चेतना राष्ट्रीय एवम् नैतिक मूल्यों का विकास करने में सक्षम होगा ।

द्वितीय प्रश्न पत्र

सगुण एवम रीतिकालीन काव्य– एम0 ए0 प्रथम सत्र के विद्यार्थी मध्यकालीन सगुण भक्ति धारा एवं उसकी विविध धारओं के अध्ययन से दोनों के मध्य अन्तर करके आलोचनात्मक एवंम् सैद्धान्तिक दृष्टिकोण को विस्तार देने में सक्षम होंगे रीतिकालीन काव्य के अध्ययन से काव्यशास्त्रीय परम्परा के उदभव एवं विकास के साथ तत्कालीन साहित्य की समृद्ध परम्परा का ज्ञानार्जन कर पायेगे।

तृतीय प्रश्नपत्र

आधुनिक हिन्दी काव्य :छायावाद तक – विद्यार्थी राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन एवं आधुनिक कविता के आरम्भ का रचनात्मक परिचय प्राप्त करने के साथ नवजागरण में खड़ी बोली के सशक्त आरम्भ के साथ ही साथ छायावादी कविता के अध्ययन से प्रकृति प्रेम, सौन्दर्य, रहस्य आदि को समझने में सक्षम होगें।

चतुर्थ प्रश्नपत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास :आदि काल से रीति काल तक –

विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के माध्यम से हिन्दी साहित्य लेखन की परम्परा कालविभाजन नामकरण की समस्या आदि के अध्ययन के साथ आदि काल से रीतिकाल तक के कवियों की रचनाओ से ऐतिहासिक एवं साहित्यिक परिचय प्राप्त कर पायेगें।

पञ्चम प्रश्नपत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास– आधुनिक काल – विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल के अध्ययन से राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक परिदृश्य को समझकर गद्य साहित्य के उद्भव एवं विकास के साथ उसके विविध रूपो का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।

एम0 ए0 तृतीय सत्र

प्रथम प्रश्नपत्र

आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादोत्तर एम0 ए0 द्वितीय सत्र के विद्यार्थी छायावादोत्तर हिन्दी कविता के विविध धाराओं यथा प्रगतिवाद, प्रयोगवाद नई कविता आदि के अध्ययन कें साथ समकालीन कवियों के रचना संसार के अध्ययन से साहित्य के रचनात्मक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान को आत्मसात कर पायेंगे।

द्वितीय प्रश्नपत्र

भाषा विज्ञान – प्रस्तुत पाठ्यक्रम से विद्यार्थी भाषा विज्ञान के अर्थ स्वरूप भाषा व्यवस्था, भाषा व्यवहार के अध्ययन के साथ भाषा विज्ञान के प्रमुख अध्ययन क्षेत्र स्वन, स्वनिम, वाक्य अर्थ आदि का सैद्धान्तिक एवं तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।

तृतीय प्रश्नपत्र

निबन्ध एवं स्मारक साहित्य – विद्यार्थी निबन्ध विधा के स्वरूप प्रकार के अध्ययन के साथ निबन्ध विधा के उदभव एवं विकास का परिचय प्राप्त करते हुए हिन्दी के प्रमुख निबंधकारों के सम्बन्ध में जानकारी ग्रहण करतें हुए निबन्ध की शैलियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

चतुर्थ प्रश्नपत्र

हिन्दी भाषा – विद्यार्थी भारत की प्राचीन मध्यकालीन एव आधुनिक आर्य भाषाओ के ऐतिहासिक एवम सैद्धान्तिक परिचय प्राप्त करते हुए हिन्दी के भौगोलिक विस्तार उसकी

उपभाषाओ एंवम् बोलियों के समृद्ध संसार को जान सकेंगे तथा हिन्दी के वैश्विक महत्व का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

विभा प्रमरी
विभा प्रमरी
हिन्दी-विभाग
रा०ला० स्ना० महा०
रामनगर नैनीताल
उत्तराखण्ड